·४·)

[जैन धर्म / Jainism]

⇒ जैन (जिन / Jeen) → जीतना / Conquer

⇒ 10 इन्द्रीय

⇒ 5 ज्ञानेन्द्रीय ⇒ 5 कर्मेन्द्रीय ↓ (शरीर)

1. नाक
2. कान
3. आँख
4. जीभ
5. चर्म

→ Soul / आत्मा

⇒ ऋषभदेव –: प्रथम तीर्थंकर
(सांड़)
Or
आदिनाथ
↓
Mentioned in Vedas
↓
[जैन धर्म के संस्थापक]

प्रथम तीर्थंकर ⇓ मोक्ष प्राप्ति का मार्ग दिखाने वाला

⇒ पार्श्वनाथ –: 23वें तीर्थंकर
(सर्प)

→ पिता –: अश्वसेन

→ माता –: वामा

⇒ कैवल्य की प्राप्ति –: सम्मेद पहाड़ (UP विंध्य पहाड़ी)

⇒ 4 सिद्धांत –:

1. सत्य
2. अहिंसा
3. अस्तेय
4. अपरिग्रह

⇒ मल्लि / Malli –: 19वें तीर्थंकर
⇓
एक मात्र महिला तीर्थंकर

⇒ महावीर स्वामी –:
↓ (शेर)

UPSC वर्धमान (वास्तविक नाम)

NCERT → 540 B.C
Or
CGPSC 599 B.C
अन्य

→ वैशाली / कुंडग्राम (बिहार) (जन्म)
UPSC NCERT   CG + अन्य

Scanned with CamScanner

→ पिता –: सिद्धार्थ → कुंडीग्राम के राजा (ज्ञातृक वंश)

→ माता –: त्रिशला → लिच्छवि राजकुमारी
⇓
चेटक की बहन (King of Vaishali)

→ पत्नी –: यशोदा

→ बेटी –: प्रियदर्शना या अणोज्जा

→ दमाद –: जमालि → (महावीर के प्रथम शिष्य)
↓ बहुरतवाद (Untill the work is finished)
↓ ~~क्रियमाणकर्म~~ (~~Until the work is~~ Work started mean finished)

→ बड़े भाई –: नंदिवर्धन

→ बहन –: सुदर्शना

→ भिक्षुणी –: चेल्लना या चन्दोना या चम्पा

→ (30) + (12) ⇒ 42 → कैवल्य मिला / Attained enlightenment
↓ 30 गृहत्याग, ↓ 12 कठिन तपस्या, ⇓ (सुप्रीमज्ञान)

→ स्थान –: जम्भिग्राम (बिहार)
साल वृक्ष
ऋजुपालिका

→ स्वामी महावीर (यहीं से नाम पड़ा) → केवलिन → जितेंद्रिय (अर्हत)

→ निगण्ठ नाटट पुत्त (ऐसे ज्ञातृक पुत्र जो ग्रंथों में विश्वास नहीं करते थे।)

⇒ [प्रथम उपदेश] → 11 ब्राह्मण
⇓
अर्द्धमागधी या प्राकृत भाषा
↓
पावापुरी (बिहार)
↓
540 BC (मल्ल वंश)

⇒ 468 B.C → 72
Or
527 B.C → 72
↑
599 B.C
→ स्वामी महावीर को मोक्ष की प्राप्ति (पावापुरी)

⇒ जैनधर्म आत्मा में विश्वास करता है। परमात्मा में नहीं करता।

⇒ पुनर्जन्म में विश्वास नहीं करता।

⇒ व्रत में विश्वास करता है।

Scanned with CamScanner

⇒ सबसे पहले दिवाली जैनधर्म के लोगों ने मनाया।
(सुधर्मा के अंदर महावीर की आत्मा आने से)

⇒ [पंच महाव्रत]

1. सत्य
2. अहिंसा
3. अस्तेय
4. अपरिग्रह
5. ब्रम्हचर्य

→ भिक्षु - भिक्षुणी के लिए

⇒ [पंच अनुव्रत]
(गृहस्थों के लिए)

1. सत्याणुव्रत
2. अहिंसाणुव्रत
3. अस्तेयाणुव्रत
4. अपरिग्रहणुव्रत
5. ब्रम्हचर्याणुव्रत

⇒ उपासोथ
⇓
पोषध (Fasting Process)

⇒ [त्रिरत्न]

1. सम्यक् दर्शन
2. सम्यक् ज्ञान
3. सम्यक् आचरण

⇒ [धार्मिक पुस्तकें] → प्राकृत भाषा

1. अंग, 2. उपांग, 3. पर्व, 4. प्रकीर्णिक, 5. आगम, 6. उपागम

⇒ [जैन दर्शन]

स्याद्वाद अथवा सप्तभंगीनय

⇒ [दो संगीतियाँ]

1. 300 B.C or 298 B.C → पाटलिपुत्र → स्थूलभद्र

[I] श्वेताम्बर (सफेद कपड़ा) → स्थूलभद्र (N. India)
[II] दिगाम्बर (नंगे) → भद्रबाहु (S. India)

Scanned with CamScanner